an>

Title:The Ministe of the Home Affairs made a statement regarding terrorist attack in Gurdaspur, Punjab.

गृह मंत्री (श्री राजनाथ सिंह) : अध्यक्ष महोदया, मैं गुरुदासपुर, पंजाब में हुए आतंकवादी हमले के संबंध में अपना स्टेटमैंट सदन के समक्ष प्रस्तुत करने के लिए खड़ा हुआ हूँ।

27, जुलाई, 2015 की सुबह लगभग 5 बजकर 30 मिनट पर सेना की यूनिफॉर्म में भारी तादाद में हथियारों से लैस तीन आतंकवादियों ने पंजाब के गुरुदासपुर जिले के दीनानगर के आउटस्कर्ट्स पर दीनानगर निवासी श्री कमलजीत सिंह पुत्र श्री ज्ञान सिंह की मारुति कार नं. पीबी09बी 7743 पर गोलीबारी करते हुए कार को अपने कब्ज़े में ले लिया। इसके बाद इन आतंकवादियों ने दीनानगर बस स्टैंड के आसपास अंधाधुंध गोलियाँ चलाईं। उन्होंने बामियाल से आ रही पंजाब रोडवेज़ की बस नं. पीबी06जी9569 को भी अपना निशाना बनाया।

इसके बाद ये आतंकवादी दीनानगर पुलिस स्टेशन में घुस गए और सुरक्षा ड्यूटी में तैनात संतरी पर फायर किया। पुलिस स्टेशन पर फायरिंग के दौरान होमगार्ड राजिन्दर कुमार और अशोक कुमार घायल हुए। थानाध्यक्ष, सब-इंस्पैक्टर मुख्तियार सिंह, जो पुलिस स्टेशन के अंदर थे, जब बाहर निकले तो आतंकवादियों द्वारा उनको भी फायरिंग कर उन्हें घायल कर दिया गया। आतंकवादी लगातार गोलीबारी करते हुए पुलिस स्टेशन में घुसने की कोशिश कर रहे थे। रात्रि की मुंशी ड्यूटी पर तैनात हवलदार रामलाल ने संतरी का हथियार लेकर बहादुरी से आतंकवादियों का सामना किया। हवलदार रामलाल पुलिस स्टेशन के अंदर चले गए और उन्होंने दरवाज़े को अंदर से बंद कर लिया ताकि आतंकवादी पुलिस स्टेशन के अंदर प्रवेश न कर पाएँ। अंधाधुंध फायरिंग के कारण पुलिस स्टेशन के बगल में स्थित किरन अस्पताल में भर्ती तीन मरीज़ भी गोली लगने से घायल हो गए जिनमें से दो लोगों की मृत्यु हो गई।

अध्यक्ष महोदया, इस दौरान ये आतंकवादी पुलिस स्टेशन के पीछे बनी बिल्डिंग, जो पंजाब होमगार्ड की स्थानीय टुकड़ी के कार्यालय के रूप में प्रयोग में लाई जा रही थी, में फायरिंग करते हुए घुस गए। वहाँ उपस्थित तीन होमगार्ड्ज़ फायरिंग की चपेट में आकर वीरगति को प्राप्त हो गए।

तत्काल ही पुलिस की रीइनफोर्समैंट दीनानगर पुलिस स्टेशन पहुँच गई। इसके उपरान्त आतंकवादियों के विरुद्ध ऑपरेशन के संचालन एवं निगरानी के लिए डीजीपी पंजाब सहित वरिÂठ पुलिस अधिकारियों की टीम भी घटनास्थल पर पहुँच गई।

दोनों तरफ से हुई फायरिंग के फलस्वरूप होने वाली क्षति को कम-से-कम स्तर पर रखने, आतंकवादियों को भागने से रोकने तथा उन्हें ज़िन्दा पकड़ने के उद्देश्य से पंजाब पुलिस द्वारा लगातार हरसंभव प्रयास जारी रखे गए। अंत में इस सफल ऑपरेशन के दौरान तीनों आतंकवादियों को न्यूट्रलाइज़ कर दिया गया। दुर्भाग्यवश, इस ऑपरेशन के दौरान पुलिस अधिकारी श्री बलजीत सिंह, एस.पी.(डिटैक्टिव) गुरुदासपुर आतंकवादियों का सामने करते हुए शहीद हो गए। पंजाब पुलिस ने मृत आतंकवादियों से तीन ए.के.47, 19 मैगज़ीन्स और दो जीपीएस सहित भारी मात्रा में अवैध सामग्री भी बरामद की है जिसको एनालाइज़ किया जा रहा है। मैं पंजाब पुलिस द्वारा किए गए इस ऑपरेशन की हृदय से सराहना करता हूँ और पूरी पंजाब पुलिस को भी मैं अपनी तरफ से बधाई देना चाहता हूँ।

जीपीएस डाटा के प्रारंभिक अध्ययन से संकेत मिले हैं कि आतंकवादियों ने पाकिस्तान से, गुरुदासपुर जिले के तास क्षेत्र, जहाँ रावी नदी पाकिस्तान में प्रवेश करती है, से घुसपैठ की। आशंका व्यक्त की जा रही है कि इन्हीं आतंकवादियों ने जम्मू-पठानकोट रेल-मार्ग पर दीनानगर और झकोल नदी के बीच तलवंडी गाँव के पास पाँच आई.ई.डी. प्लांट किए जिन्हें मौके पर ही बॉम्ब डिस्पोज़ल स्क्वैड द्वारा डिफ्यूज़ कर दिया गया। इस स्थान से एक नाइट विज़न डिवाइस भी बरामद किया गया।

इस दौरान गृह-मंत्रालय स्थिति पर लगातार कड़ी नज़र रखते हुए पंजाब सरकार से लगातार संपर्क में रहा। इस ऑपरेशन में पंजाब पुलिस की सहायता करने के लिए आर्मी और एनएसजी को विकल्प के रूप में तैयार रखा गया था। मैंने स्वयं मुख्यमंत्री, पंजाब से बात की एवं केन्द्र सरकार द्वारा सभी आवश्यक सहयोग के लिए इन्हें आश्वस्त किया। बीएसएफ और आर्मी को विशेÂा रूप से सीमा पर हाई अलर्ट पर रखा गया। इस आतंकी हमले में तीन नागरिक, तीन होमगार्ड के जवान एवं एक पुलिस अधिकारी सहित कुल सात लोगों की मृत्यु हो गई और इसके अतिरिक्त दस नागरिक और सात सुरक्षाकर्मी घायल हुए हैं।

मैं सदन को यह भी बताना चाहता हूं कि विगत एक माह में जम्मू और कश्मीर सीमा पर घुसपैठ के कुल पांच प्रयास किए गए, जिसमें आठ आतंकवादियों को न्यूट्रेलाइज़ करते हुए चार प्रयासों को विफल कर दिया गया। घुसपैठ की शेÂा एक अन्य घटना में आतंकवादियों को सुरक्षा बलों की जवाबी कार्रवाई के कारण वापस लौटना पड़ा था। भारतीय सुरक्षा बल सीमा क्षेत्र में सतर्क रहती हैं, परन्तु कठिन भौगोलिक परिस्थितियां एवं मूसलाधार बारिश होने से सीमा क्षेत्र की नदियों एवं नहरों में अत्यधिक तेज बहाव के कारण ये आतंकवादी भारतीय सीमा में घुस पाने में सफल हुए होंगे।

मैं सदन के सभी माननीय सदस्यों को यहां आश्वस्त करना चाहता हूं कि भारत की एकता एवं अखंडता तथा देश के नागरिकों की सेफ्टी एवं सिक्योरिटी को अंडरमाइन करने के देश के दुश्मनों के किसी भी प्रयास का हमारे सुरक्षा बलों द्वारा त्वरित एवं मुंहतोड़ जवाब दिया जायेगा। सरकार, आतंकवाद से दृढ़ता और कड़ाई से निबटने के लिए प्रतिबद्ध है और सीमा पार से चलाई जा रही सभी आतंकवादी गतिविधियों को रोकने के लिए हरसम्भव प्रयास होंगे।

मैं सरकार की ओर से सभी मृत नागरिकों एवं वीरगति को प्राप्त सुरक्षाकर्मियों के परिजनों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं तथा सभी घायलों के जल्द से जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : इस पर चर्चा नहीं होगी। आप चर्चा मांगिये। स्टेटमेंट पर प्रश्न नहीं होते। I will give you discussion, आप मांगिये न। I am not saying no.

शहरी विकास मंत्री, आवास और शहरी गरीबी उपशमन मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्री एम. वैंकैय्या नायडू) : मैडम, कोई अलग नोटिस देकर चर्चा करनी है तो उसके लिए सरकार को कोई आपत्ति नहीं है।

माननीय अध्यक्ष : आप नोटिस दे दो, मैं चर्चा करवाऊंगी। आप नोटिस दे दो, इतना ही मेरा कहना है। नियम के अनुसार स्टेटमेंट पर प्रश्न नहीं होते हैं।

12.13 hrs

At this stage, Shri Gaurav Gogoi and some other hon. Members came

and stood on the floor near the Table.

...(*Interruptions*)

श्री राजनाथ सिंह : अध्यक्ष महोदया, मैं समझता हूं कि केवल यह सदन ही नहीं, बल्कि सारा देश मेरी इस बात से सहमत होगा कि आतंकवाद इस देश के लिए सबसे बड़ी चुनौती है और आतंकवाद के सवाल पर न तो भारत की संसद विभाजित दिखनी चाहिए और न यह देश किसी भी सूरत में विभाजित दिखना चाहिए।...(व्यवधान) मैं विनम्रतापूर्वक अपने विपक्ष के सभी मित्रों से अपील करना चाहता हूं कि इस पर चर्चा करना चाहते हैं, मुझसे प्रश्न पूछना चाहते हैं तो मैं उसका जवाब देने के लिए और जो भी बहस होगी, उसका उत्तर देने के लिए भी मैं तैयार हूं। ...(व्यवधान) ऐसी परिस्थिति में, जबकि हमारे जवान शहीद हुए हैं और जवान, जो कि अपनी जान को हथेली पर लेकर आतंकवाद का मुकाबला करता है, देश और देशवासियों की सुरक्षा करता है, अध्यक्ष महोदया, एक तरफ वे शहादत दे रहे हैं, ...(व्यवधान) एक तरफ उनकी शहादत हो और दूसरी तरफ आतंकवाद जैसे सवाल पर इस सदन में शोर-शराबा हो,...(व्यवधान) कैसे यह देश इसे स्वीकार कर सकता है।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया, मैं यह भी विनम्र अनुरोध करना चाहता हूं कि आतंकवाद के सवाल पर हमारी सरकार, हमारे प्रधानमंत्री इस सम्बन्ध में सतत प्रयत्नशील हैं और मैं याद दिलाना चाहता हूं कि आतंकवाद के सवाल पर बराबर यह कोशिश की गई है, आज से साल-सवा साल के कुछ वÂाों में कि आतंकवाद से इस देश के लोगों का ध्यान डाइवर्ट किया जाये। मैं याद दिलाना चाहता हूं, 2013 में इसी सदन में पिछली यू.पी.ए. सरकार के पूर्व गृह मंत्री ने हिन्दू आतंकवादी जैसी एक नई टर्मिनोलोजी की ईजाद की थी, ताकि जो जांच की दिशा है, उस जांच की दिशा को बदल दिया

जाये और आतंकवाद के खिलाफ पूरी मजबूती के साथ यह देश न खड़ा हो पाये।

अध्यक्ष महोदया, मैं आपको यह भी याद दिलाना चाहता हूं कि यूपीए सरकार के गृह मंत्री ने उस समय जो स्टेटमेंट दिया था और उन्होंने 'हिन्दू आतंकवाद' जैसी एक नयी टर्मिनोलॉजी का ईज़ाद किया था।...(व्यवधान) उसके परिणामस्वरूप पाकिस्तान के हाफिज़ सईद ने भारत सरकार के गृह मंत्री को बधाई दी थी।...(व्यवधान) हम ऐसी शर्मनाक स्थिति इस देश में किसी भी सूरत में पैदा नहीं होने देंगे।...(व्यवधान) मैं कहना चाहता हूं कि आतंकवाद, आतंकवाद होता है।...(व्यवधान) आतंकवाद की कोई जाति नहीं होती, कोई पंथ नहीं होता, कोई मज़हब नहीं होता है।...(व्यवधान) शर्म-अल-शेख और हवाना में क्या हुआ?...(व्यवधान) आतंकवाद को लेकर वहां पर सहानुभूति व्यक्त की गयी।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया, ऐसा नहीं होना चाहिए।...(व्यवधान) यूपीए की सरकार ने बराबर कूटनीति की बिसात पर बैठकर विदेश नीति की शक्ल को संवारने की कोशिश की है।...(व्यवधान) मैं सरकार की पिछली नीतियों का भी हवाला देना चाहता हूं।...(व्यवधान) इसका परिणाम क्या हुआ, इसके बारे में मैं चार पंक्तियों में कह कर अपनी बात समाप्त करूंगा-

चीन छीन देश का गुलाब ले गया,

ताशकंद में वतन का लाल सो गया,

ये सुलह की शक़्ल को संवारते रहे,

जीतने के बाद बाज़ी हारते रहे।

अध्यक्ष महोदया, यही इनकी विदेश नीति रही है।...(व्यवधान) इतना ही कहते हुए अन्त में, अपने सभी राजनीतिक दलों के नेताओं से मैं अपील करना चाहता हूं कि आतंकवाद के सवाल पर हमें गंभीरतापूर्वक यहां पर चर्चा करनी चाहिए।...(व्यवधान) इस आतंकवाद की चुनौती को पूरी ताकत के साथ हम कैसे स्वीकार करें, इसके संबंध में विचार करना चाहिए।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : इस पर चर्चा मांगिए। मैंने कहा है कि इस पर चर्चा कराएंगे। आप नोटिस दीजिए। इस पर चर्चा कराएंगे।

â€¦(व्यवधान)